मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 65 ■ सोमवार, 19 मई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

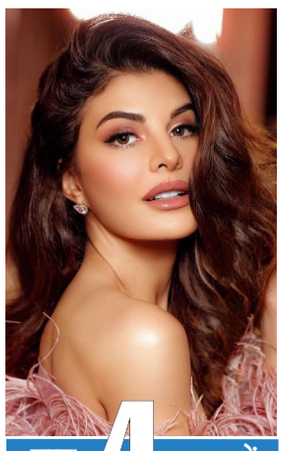

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

ढग सुकेश मामले पर बोलीं जैकलीन फर्नांडिस

उल्हासनगर में 263 खतरनाक इमारतें

■ 2 अत्यंत खतरनाक
■ 37 इमारतों को तत्काल मरम्मत की आवश्यकता
■ 51 इमारतों का स्ट्रक्चरल ऑडिट ही नहीं किया गया
■ मानसून में इमारत ढहने की होती हैं घटनाएं

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने हाल ही में उल्हासनगर मनपा क्षेत्र में खतरनाक इमारतों की सूची जारी की है। इसमें कुल 263 इमारतें शामिल हैं। यह भी पता चला है कि 51 इमारतों का संरचनात्मक ऑडिट नहीं किया गया है। इनमें से दो इमारतें अत्यंत खतरनाक हैं, एक प्रभाग दो में तथा दूसरी प्रभाग चार में। ऐसे भवनों की संख्या 208 है, जिन्हें खाली किये बिना संरचनात्मक रूप से मरम्मत किया जा सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में उल्हासनगर शहर में पुरानी इमारतों के कमजोर हो जाने और उनके स्लैब गिरने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इमारत के स्लैब गिरने की घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई है। चूंकि शहर में पुनर्विकास का मुद्दा अभी तक हल नहीं हुआ है, इसलिए निवासी अभी भी खतरनाक इमारतों में रह रहे हैं। मानसून के मौसम में स्लैब ढहने की कई घटनाएं होती हैं।

उल्हासनगर मनपा हर साल ऐसी खतरनाक इमारतों की सूची प्रकाशित करता है। इस वर्ष भी उल्हासनगर मनपा ने हाल ही में खतरनाक इमारतों की सूची जारी की है। इसमें कुल 263 खतरनाक इमारतें शामिल हैं। इसमें चार वार्डों और चार विभिन्न प्रकार की इमारतें शामिल हैं। शहर में कुल दो इमारतें ऐसी हैं जो बेहद खतरनाक हैं। ये इमारतें अत्यंत खतरनाक हैं, इन्हें तुरंत खाली करना आवश्यक है तथा इनमें रहना असंभव है। ये दोनों इमारतें प्रभाग दो

और चार में स्थित हैं।

वहीं, जिन भवनों को खाली करने और संरचनात्मक रूप से मरम्मत की आवश्यकता है उनकी संख्या 37 है। प्रभाग नंबर 1 में 7 भवन, प्रभाग नंबर 2 में 13, प्रभाग नंबर 3 में 10 और प्रभाग नंबर 4 में 7 भवन हैं। जिन भवनों को खाली किए बिना संरचनात्मक मरम्मत की आवश्यकता है उनकी संख्या 208 है। इसमें प्रभाग नंबर 1 में 76 भवन, प्रभाग नंबर 2 में 54, प्रभाग नंबर 3 में 50 और प्रभाग नंबर 4 में 28 भवन शामिल हैं। प्रभाग नंबर एक में सबसे ज्यादा भवन हैं। जिन कम जोखिम वाली इमारतों को मामूली मरम्मत की आवश्यकता है उनकी संख्या 16 है।

51 इमारतों का ऑडिट नहीं

हालांकि महानगरपालिका प्रशासन ने उल्हासनगर शहर में खतरनाक इमारतों की एक सूची जारी की है, लेकिन जिन इमारतों का संरचनात्मक ऑडिट नहीं हुआ है उनकी संख्या 51 तक है। इसमें प्रभाग एक और दो में 10-10 इमारतें, प्रभाग तीन में 11 और प्रभाग चार में 20 इमारतें शामिल हैं।

पनीर की जगह 'चीज़ एनालॉग'

■ उल्हासनगर डेयरी फार्म में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई

दुकान से पनीर का सैंपल कलेक्ट करते एफडीए के अधिकारी

उल्हासनगर. शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं ने खाद्य एवं औषधि विभाग प्रशासन से शिकायत की थी कि उल्हासनगर क्षेत्र में एक डेयरी फार्म की दुकान पनीर के नाम पर 'चीज़ एनालॉग' नामक उत्पाद बेच रही है। इसके बाद शुक्रवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की एक टीम ने दुकान पर छापा मारा और खाद्य पदार्थ के नमूने एकत्र किए।

उल्हासनगर के एक प्रसिद्ध डेयरी फार्म में वर्तमान में 'पनीर' के नाम से 'चीज़ एनालॉग' नामक एक अलग प्रकार का उत्पाद बेचा जा रहा है। नागरिकों के दैनिक आहार पनीर में मिलावट किए जाने की जानकारी सामने आते ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया और कार्रवाई शुरू कर दी। इस कार्रवाई के दौरान शिंदे गुट के युवा सेना सचिव विक्की भुल्लर, पदाधिकारी राजेश दाखिनकर और प्रमोद पांडे भी मौजूद थे। नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। पनीर को परीक्षण के लिए ले जाया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इस संदेह की पुष्टि होगी या खंडन।

■ कार्रवाई की सीमा

चूंकि 'पनीर एनालॉग्स' दिखने और स्वाद में पनीर के समान होते हैं, इसलिए उपभोक्ता जल्दी से अंतर नहीं बता सकते। इसे ध्यान में रखते हुए कुछ दुकानदारों ने इसे केवल 'पनीर' के रूप में बेचना शुरू कर दिया। इस प्रकार की शिकायतें खाद्य एवं औषधि प्रशासन को मिल रही थीं; हालाँकि, चूंकि इसे एफएसएसएआई से अनुमति प्राप्त थी, इसलिए स्थानीय स्तर पर तत्काल कार्रवाई की सीमाएं थीं। 'चीज़ एनालॉग' वास्तव में गुणवत्ता वाला पनीर या चीज़ नहीं है, बल्कि एक सस्ता, निम्न-गुणवत्ता वाला नकली उत्पाद है।

दुकानदार का स्पष्टीकरण

हमारा कारोबार 15 वर्षों से पारदर्शी तरीके से चल रहा है। कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। जब अधिकारियों ने नमूने मांगे तो हमने उनका पूरा सहयोग किया। दुकानदार ने पूरा मामला बताते हुए कहा कि रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी।

उल्हासनगर में भाजपा की तिरंगा रैली

■ सैनिकों की बहादुरी को किया सलाम
■ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों ने भी लिया हिस्सा

उल्हासनगर. ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और आतंकवादियों को कड़ा जवाब देने में भारतीय सेना की बहादुरी का सम्मान करने के लिए नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया और विधायक कुमार आयलानी के नेतृत्व में उल्हासनगर शहर में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों की भागीदारी उल्लेखनीय रही.

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पहलगाम हमले का सफलतापूर्वक जवाब दिया। इस सफल अभियान के बाद सशस्त्र बलों की बहादुरी को सलाम करने के लिए आयोजित रैली में हजारों नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

तिरंगा रैली उल्हासनगर कैंप क्रमांक 2 से शुरू होकर हीरा मैरिज हॉल, भाजपा कार्यालय, विधायक जनसंपर्क कार्यालय, मधुबन चौक, गोल मैदान, नेहरू चौक होते हुए विधायक कार्यालय पर समाप्त हुई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश वढ़ारिया, विधायक कुमार आयलानी, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी, जमनू पुरसवानी, मनोहर खेमचंदानी, प्रकाश मखीजा, डॉ. प्रकाश नाथानी, राजू जग्यासी, मनोज साधनानी, अजीत सिंह लबाना, राम चार्ली पारवानी, दीपक छतलानी, प्रशांत पाटिल, अमित वाधवा, लक्खी नाथानी, डॉ. एस.बी. सिंह, बॉक्सर आदि समेत अठावले गुट के जिला अध्यक्ष नाना बागुल शामिल हुए।

जींस कारखाना मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी. भिवंडी में एक जींस पैंट कारखाना मालिक ने एक ब्रांडेड जींस पैंट कंपनी के ब्रांड की नकल और हूबहू मिलान कर 3.5 लाख की जींस पैंट का स्टॉक बिक्री के लिए रखते कॉपीराइट कानून का उल्लंघन किया. फैक्ट्री मालिक रामसेवक बृजमोहन सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. रामसेवक ने खोनी गांव स्थित मच्छा कंपाउंड में फैक्ट्री में एक बैंडेट जींस पैंट कंपनी की जींस की हूबहू नकल और कलर मैच कर 3 लाख 49 हजार 700 रुपये का माल स्टॉक कर बेचने के लिए रखा था. रमेश गोसावी की शिकायत पर रामसेवक के खिलाफ निज़ामपुरा पुलिस स्टेशन में कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 51, 63 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

अंबरनाथ नपा चुनाव के लिए सभी पक्ष के नेता तैयार

■ पांच वर्षों से नहीं हुए हैं चुनाव
■ 17 मई 2020 को नपा हुई थी बर्खास्त

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद 19 मई 2020 से प्रशासक के तहत चल रही है. आज से ठीक 5 साल पहले 17 मई 2020 को नपा सदस्यों का सन 2015-2020 का कार्यकाल समाप्त हुआ था. 19 मई से एसडीओ ने नगर परिषद के कारोबार को संभाला. 2015 में शिवसेना की प्रज्ञा बनसोडे को ढाई वर्ष के लिए नगराध्यक्षा बनागाय गया था. उसके बाद 2020 तक मनिषा ताई वालेकर नगराध्यक्षा रहीं. 17 मई 2020 को उनका कार्यकाल समाप्त हुआ. उसके पश्चात कोरोना संकट के कारण बाद में ओबीसी आरक्षण का मसला सामने आने से 2020 से 2025 तक चुनाव नहीं हो सके हैं. उस समय अंबरनाथ नगर परिषद में 57 नगर सेवक थे. शिवसेना के 25, भाजपा के 11, एनसीपी के 5, कांग्रेस के 8, मनसे के 2 और निर्दलीय 6 नगरसेवक थे. 57 नगरसेवकों में से 30 महिला नगरसेविका थी तो 27 पुरुष नगर सेवक थे. अब 2025-2030 के

लिए नगर परिषद के चुनाव का बिगुल बज चुका है. शिवसेना, भाजपा कांग्रेस, एनसीपी, मनसे, आरपीआई पक्ष के नेताओं ने चुनाव के मैदान में उतरने के लिए ताल ठोंक दिया है. अब शिवसेना भी दो हिस्सों में बंट चुकी है. चुनाव में कौन सा पक्ष किस पक्ष से गठजोड़ करेगा, ये अभी से बताया नहीं जा सकता. सभी नेताओं को इंतजार है चुनाव की प्रक्रिया एवं तारीखों की घोषणा का.

मनपा चुनाव के मद्देनजर उल्हासनगर कांग्रेस जिला अध्यक्ष

रोहित सालवे ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से की मुलाकात

उल्हासनगर. कांग्रेस शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से मुलाकात कर मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि के साथ-साथ शहर के विभिन्न नागरिक मुद्दों पर चर्चा की। साल्वे का कहना है कि शहरों में विभिन्न विकास कार्य अधूरे हैं और मानसून के दौरान शहरों की हालत और खराब हो जाएगी।

उल्हासनगर में हजारों करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य चल रहे हैं। विकास कार्यों की समय सीमा बीत जाने के बाद भी विकास कार्य अधूरे पड़े हैं। भूमिगत सीवरेज योजना के नाम पर पूरे शहर में सड़कें खोद दी गई हैं और एमएमआरडीए के तहत 7 मुख्य सड़कों का काम अधूरा है। अन्य विकास कार्यों की भी यही स्थिति है तथा अवैध निर्माण जोरों पर चल रहा है। साथ ही, भूस्वामी की करतूतें हर दिन उजागर हो रही हैं, तथा मनपा के नगर नियोजन विभाग में टीडीआर का मामला भी गरमाता जा रहा है। इसके अतिरिक्त शहर जिला अध्यक्ष रोहित साल्वे ने प्रदेश अध्यक्ष सकपाल से मुलाकात कर आगामी मनपा चुनावों पर विस्तार से चर्चा की है।

उल्हासनगर की समस्याओं पर की चर्चा

इन विभिन्न मुद्दों को लेकर शहर कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कुछ दिन पहले मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की थी। रोहित साल्वे ने प्रदेश अध्यक्ष सकपाल को बताया कि उन्होंने सड़क की खराब स्थिति, फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई, भू-माफियाओं द्वारा हड़पे जा रहे आरक्षित भूखंडों, विकलांग विभाग में अनियमितताओं की गहन जांच, संपत्ति कर में सेंचुरी रेयान कंपनी को दी गई अनियमित छूट और रीजेंसी एंटालिया परियोजना में भूमि लेनदेन पर चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने संकेत दिया कि वे ऐसे मुद्दों पर स्थानीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साल्वे ने यह भी कहा कि उन्होंने चुनाव के संबंध में कुछ सलाह भी दी थी।

टिटवाला उप विभाग में 17 बिजली चोरों के खिलाफ मामला दर्ज

कल्याण. टिटवाला उपविभाग में बिजली चोरों पर महावितरण की कार्रवाई जारी है। कार्रवाई के बाद, समय पर बिजली चोरी का बिल न चुकाने वाले 17 लोगों के खिलाफ शांतिनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इन आरोपियों द्वारा 5 लाख 29 हजार 840 रुपए की बिजली चोरी का खुलासा हुआ है।

महावितरण के टिटवाला उपविभाग के कोन शाखा कार्यालय के अंतर्गत 17 लोग बिजली चोरी करते पाए गए। एस. ए. डेवलपर्स-जमील शेख, जिमल शेख, सलीम शेख, मिलिंद बाबूलाल नरावड़े, शबाना शेख, अनिल पाटिल, विजय म्हात्रे, आयशा शेख, राममूर्ति चिकवार, सलीम बागवान, खलील शेख, इरफान बागवान, शब्बीर खान, गुरुकृपा इंटरप्राइजेज, रवींद्र वाघ, कांताबाई पाटिल, सुनंदा पाटिल ने सामूहिक रूप से 5 लाख 29 हजार 840 रुपये की 26,727 यूनिट बिजली चोरी की है। टिटवाला सब-डिविजन उप कार्यकारी अभियंता गणेश पवार, सहायक अभियंता धनंजय पाटिल, तकनीशियन अनिल सोनकुसरे और अजय कुमरे और उनकी टीम ने यह उपलब्धि हासिल की।

अंबरनाथ पूर्व में मॉकड्रिल संपन्न

■ नागरी संरक्षण के लिए बजाया सायरन

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के गांवदेवी मैदान में शुक्रवार को बारिश के बीच महसूल विभाग द्वारा मॉक ड्रिल किया गया. विदित हो कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत भर में नागरिक संरक्षण के लिए मॉकड्रिल शुरू किया गया है. ठाणे जिले के अनेक शहरों में मॉकड्रिल के बाद अंबरनाथ में नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में किस तरह से बचाया जा सकता है, उसका प्रशिक्षण दिया गया. अंबरनाथ के मॉकड्रिल कराने की मांग विधायक बालाजी किणीकर और पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंखे ने की थी. उनकी इस मांग के बाद ठाणे जिला के कार्यालय अनुसार अंबरनाथ पूर्व के गांवदेवी मैदान में मॉकड्रिल महसूल विभाग द्वारा आयोजित किया गया था. जोरदार बारिश के बीच में सैकड़ों नागरिक सहभागी हुई. इस मॉकड्रिल में आपरेशन सिंदूर में पराक्रम करने वाले सैनिकों को नतमस्तक किया गया. युद्धकालीन एवं आपातकालीन परिस्थिति में नागरिकों ने सावधान रहने के लिए क्या भूमिका अपनाना चाहिए इस पर मार्गदर्शन किया गया. बम से हमला किया गया अथवा आग लगने की घटना हुई तो रेस्क्यू किस तरह से किया जाए, इन बातों का प्रशिक्षण दिया गया. विधायक बालाजी किणीकर, सुभाष सालुंखे, नायब तहसीलदार दीपक अनारे, नागरी संरक्षण दल के अधिकारी शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के कर्मचारी, निखिल चौधरी, अग्निशमन दल के अधिकारी कर्मचारी, डॉक्टरों की टीम, परिचारिका, एम्बुलेंस और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे. अंबरनाथ पश्चिम में ये मॉकड्रिल कब होगा? इसकी प्रतीक्षा लोग कर रहे हैं.

कंपनी में लाखों की चोरी करनेवाले 2 गिरफ्तार

■ कंपनी का कर्मचारी ही निकला चोर

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ मोरिवली एमआईडीसी में कार्यरत एक कर्मचारी ने अल्युमिनियम शीट, अल्युमिनियम सर्कल, लोहे का सामान कुल 3 लाख 40 हजार रुपयों का भंगार चोरी करके भाग गया. बाद में अंबरनाथ पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके 26 हजार रुपयों का चोरी का सामान बरामद करके चोरी में इस्तेमाल किया गया टेम्पो भी जब्त कर लिया है.

अंबरनाथ के मोरिवली एमआईडीसी के सुल्झर कंपनी के पास स्थित हेम्को इंडस्ट्रीज एलएलपी नाम की कंपनी है. इस कंपनी से 10 मई को उपरोक्त दर्ज सामान जिसकी कीमत 3 लाख 40 हजार रुपए बताई गई है, चोरी हो गया था. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में व्यवसायिक कमलेश दुलानी (49) ने शिकायत दर्ज कराई थी. इस कंपनी में 1500 किलो का 2 लाख 30 हजार रुपयों का अल्युमिनियम शीट 125 किलो का, 40 हजार का सर्कल, एक हजार किलो का 70 हजार के 15 डाएज कुल तीन लाख 40 हजार रुपयों का भंगार कर्मचारी भोमसिंह सुमेध सिंह (40) ने चोरी करके फरार हो गया था. अंबरनाथ क्राइम ब्रांच ने भोमसिंह और शफीक मुस्तकीम चौधरी (26) गिरफ्तार कर लिया है. उनके पास से 26 हजार का चोरी का सामान बरामद करके टेम्पो को जब्त किया गया है. मामले की जांच पुलिस निरीक्षक किशोर शिंदे कर रहे हैं.

लापता बच्चे को पुलिस ने 1 घंटे में ढूंढ़ निकाला

■ हिललाइन पुलिस का सराहनीय प्रदर्शन

उल्हासनगर. काकड़वाल गांव से लापता पांच साल का बच्चा नक्श पुलिस की त्वरित कार्रवाई की बदौलत एक बार फिर अपनी मां की गोद में लौट आया है। पुलिस की सक्रिय तलाशी अभियान की बदौलत बच्चा सिर्फ एक घंटे में मिल गया। इस तत्परता के कारण पूरे हाजीमलंग क्षेत्र में हिललाइन पुलिस के कार्य की सराहना हो रही है।

उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले काकड़वाल गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। नक्श सालवी (उम्र 5) सुबह बिस्कुट लेने दुकान पर गया था। हालांकि, काफी समय बाद भी जब वह घर नहीं लौटा तो परिवार की चिंताएं बढ़ गईं। उन्होंने क्षेत्र और गांव की तलाशी शुरू कर दी। कहीं भी अपना पता न मिलने पर अंततः उन्होंने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई। हिललाइन पुलिस स्टेशन की नेवाली टीम ने इस सूचना पर ध्यान दिया और तुरंत पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और वरिष्ठ निरीक्षक अनिल जगताप के मार्गदर्शन में तलाशी अभियान शुरू किया। सहायक पुलिस निरीक्षक अंकुश सुरेवाड, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक रूपाली साल्वे; पुलिस अधिकारी प्रशांत गायकवाड़ और जयेश पडिर की एक टीम ने भी गांव और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। आखिरकार एक घंटे के भीतर नक्श को नेवाली नाका क्षेत्र में ढूंढ लिया गया। पुलिस ने उसे सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया। परिवार ने हिललाइन पुलिस का विशेष आभार व्यक्त किया।

कल्याण-कसारा तीसरी लाइन परियोजना को गति मिली

■ भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में देरी से पिछड़ गई परियोजना
■ 50 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा

कल्याण. कल्याण-कसारा रेलवे लाइन पर जाम को खत्म करने के लिए रेलवे प्रशासन कल्याण से कसारा रेलवे लाइन पर तीसरा ट्रैक बना रहा है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में लंबा समय लगने के कारण परियोजना कुछ समय के लिए पिछड़ गई थी। हालाँकि, वर्तमान में 50 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है, तथा शेष भूमि अधिग्रहण एवं अन्य कार्यों में भी जबरदस्त गति आ गई है। परिणामस्वरूप, लोकल ट्रेनों का परिचालन जल्द ही सुचारू हो जाएगा, जिससे कल्याण-कसारा मार्ग पर यात्रियों की भीड़भाड़ से राहत मिलेगी।

इस मार्ग पर यात्रियों को विभिन्न समस्याओं से राहत दिलाने के लिए कल्याण और कसारा के बीच तीसरी रेलवे लाइन बनाने का काम चल रहा है। जिससे लोकल व एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा करना सुविधाजनक हो जाएगा। इस बीच, इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मुंबई-नासिक राजमार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करना भी है। नासिक से मुंबई आने वाले यात्री इस मार्ग का उपयोग करके मुंबई-नासिक राजमार्ग पर ट्रैफिक जाम से बच सकेंगे।

बढ़ती जा रही रेल यात्रियों की संख्या

चूंकि कल्याण-कसारा दोहरी रेल लाइन है, इसलिए इस मार्ग पर एक्सप्रेस, लोकल और मालगाड़ियां चलती हैं। कल्याण के निकट टिटवाला, आसनगांव, कसारा आदि क्षेत्रों में जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ रही है, यात्रियों की संख्या भी स्वाभाविक रूप से बढ़ रही है। इस मार्ग पर मालगाड़ी के इंजन फेल होने की संख्या बढ़ती जा रही है, जिससे स्थानीय सेवा प्रभावित हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या की तुलना में लोकल ट्रेनों की कम सेवा तथा दूसरी ओर अत्यधिक भीड़ के कारण बढ़ती दुर्घटनाओं के कारण यह मार्ग यातायात के लिए असुरक्षित होता जा रहा है।

डोंबिवली में निकाली गई तिरंगा यात्रा

कल्याण. भारतीय सेना के सम्मान में विवार डोंबिवली में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया. जिसका नेतृत्व भाजपा के प्रदेश कार्याध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक रविंद्र चव्हाण ने किया. यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेता जगन्नाथ पाटिल, विधायक सुलभा गायकवाड़ एवं राजेश मोरे, भाजपा के जिला अध्यक्ष नंदकिशोर परब शामिल थे. श्री गणेश मंदिर से निकली तिरंगा यात्रा इंदिरा चौक , पीपी चेंबर्स , सर्वेश हाल , पारस मणि नाका होते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पहुंची. जहां कैप्टन विनयकुमार सच्चान स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर उनका अभिवादन किया गया. इस तिरंगा रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

हरियाणा में लापता लोग

हरियाणा में इस वर्ष के शुरुआती तीन महीनों में ही चार हजार एक सौ लोगों के लापता होने की खबर चिंताजनक है। इससे राज्य के सुरक्षा इंतजाम और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल उठते हैं। एक राज्य में रोजाना औसतन पैंतालीस लोगों का गुम हो जाना और उनका फिर कभी न मिलना एक ऐसी त्रासदी है, जो न केवल सरकारी तंत्र की नाकामी को दर्शाता, बल्कि एक ऐसी जटिल समस्या का सूचक भी है, जो कई स्तरों पर प्रभावित परिवारों और लोगों पर गहरा असर डाल रहा है।

गौरतलब है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के गुम हो जाने के अलावा एक हजार से ज्यादा लोगों के अपहरण के मामले भी सामने आए हैं। ये आंकड़े किसी भी जिम्मेदार सरकार को विचलित करने वाले होने चाहिए। यही वजह है कि एक रपट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने राज्य की पुलिस को नोटिस जारी कर आठ हफ्ते के भीतर इस मसले पर जवाब मांगा है। आयोग ने सख्त टिप्पणी की है कि ये आंकड़े सार्वजनिक सुरक्षा तंत्र के विफल होने की गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।

यह समझना मुश्किल नहीं है कि जो लोग गुम हो जाते हैं, उनके परिवारों को किस गंभीर मानसिक आघात का सामना करना पड़ता होगा। खासकर तब, जब उन्हें यह भी नहीं पता होता कि उनके जो प्रियजन गुम हो गए, वे जीवित हैं या नहीं। मानवाधिकार आयोग की टिप्पणी बिल्कुल सही है कि यह गहन मानवीय पीड़ा और संकट की स्थिति को दर्शाता है।

यह छिपा नहीं है कि लापता हो जाने वाली महिलाएं, बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लोग मानव तस्करी, बंधुआ मजदूरी, यौन शोषण, देह व्यापार और अवैध अंग व्यापार जैसी आपराधिक गतिविधियों का शिकार हो जाते हैं। जाहिर है, यह सिर्फ बड़ी संख्या में रोजाना बच्चों, महिलाओं और अन्य लोगों के लापता होने का मामला नहीं, बल्कि इसका सिरा एक व्यापक और संगठित अपराध-तंत्र से जुड़ा दिखता है। विचित्र है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग लापता हो रहे हैं और हरियाणा सरकार और प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई होती नहीं दिखती।

अमेरिका के आशीर्वाद से भस्मासुर बना पाकिस्तान

लगभग 60 साल पहले 1965 की लड़ाई हार जान के बाद पाकिस्तान के विदेशमंत्री जुल्फ़िकार अली भुट्टो ने कहा था, 'यदि भारत ने परमाणु बम बनाया तो हम हजार बरस तक घास और पत्ते खाकर जी लेंगे, भूखे रह लेंगे, पर अपना बम बनाकर दम लेंगे।' इसकी पृष्ठभूमि यह थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति आजनहावर की एटम फार पीस योजना के तहत पाकिस्तान को 1960 में कराची का परमाणु बिजली घर और 1965 में रावलपिंडी का शोध रिएक्टर मिला था।

इसी योजना के तहत भारत को कनाडा से साइरस परमाणु रिएक्टर मिला था, जिसका ईंधन अमेरिका सप्लाई करता था। दो लड़ाइयां हार चुके पाकिस्तान को यह डर सताने लगा था कि यदि भारत ने पहले परमाणु बम बना लिया तो फिर उसका क्या होगा? अमेरिका के साथ-साथ पाकिस्तान भी चीन से रिश्ते बढ़ा रहा था। मार्च 1963 की चीन-पाकिस्तान संधि के तहत वह कराकोरम कश्मीर की लगभग 5,000 वर्ग किमी की पट्टी उसे भेंट कर चुका था।

चीन ने अक्टूबर 1964 में जम्मू-कश्मीर की सीमा से लगते सिजियांग में अपना पहला परमाणु परीक्षण किया। सुरक्षा की इस दोतरफ़ा चुनौती को देखते हुए भारत को अपने परमाणु निरस्त्रीकरण के सिद्धांत के बावजूद परमाणु शक्ति का विकास करना पड़ा, जिसकी परिणति 1974 पोखरण परीक्षण में हुई। पोखरण के बाद पाकिस्तान और भी मुस्तैदी से चीन की मदद और यूरोप से तकनीक की चोरी करते हुए परमाणु शक्ति के विकास में जुट गया।

परमाणु अप्रसार की वकालत करने वाला अमेरिका जानता था कि कम्युनिस्ट तानाशाही वाला चीन पाकिस्तान को परमाणु तकनीक दे रहा है, जो एक अवैध काम है और जिसकी वजह से पूरे दक्षिण एवं पश्चिम एशिया में तनाव फैल सकता है, फिर भी उसने यह सब अनदेखा किया, क्योंकि वह चीन से रिश्ते गांठने में लगा था, ताकि उसे सोवियत खेमे से निकाल सके। इसी बीच ईरान में इस्लामी क्रांति हो गई और अफगानिस्तान पर सोवियत संघ का कब्ज़ा हो गया। जिया उल हक के पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से मनमानी करने की छूट मिल गई। पाकिस्तान ने न केवल अपने परमाणु बम बनाए, बल्कि उनकी तकनीक ईरान और उत्तरी कोरिया को भी बेची। अमेरिका ने भारत के लिए पाकिस्तान और अपने लिए ईरान और उत्तरी कोरिया के रूप में दो भस्मासुर खड़े कर लिए।

अफगानिस्तान से सोवियत संघ को खदेड़ने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान को हथियार दिए और सऊदी अरब से पैसा दिलाया, जिसका प्रयोग उसने इस्लामी जिहाद करने वाले मुजाहिदीन दस्ते बनाने के साथ पंजाब में खालिस्तानी आतंक को हवा देने में किया। जिहादी जंग में सोवियत संघ की हार से उत्साहित पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसियों और सेना ने वही नुस्ख़ा जम्मू-कश्मीर में हिजबुल, लश्कर और जैश जैसे जिहादी आतंकी भेजकर आज़माया, जो आज तक जारी है। इसमें अमेरिका का कोई भला नहीं हुआ। उसने जिस अफ़ग़ानिस्तान में जिहादी जंग करा कर सोवियत संघ को खदेड़ा, अलक़ायदा ने वहीं अड्डा बनाया और अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर 2001 में आतंकी हमला किया। हमला करने वाले आतंकियों में पाकिस्तान का तो कोई नहीं था, परंतु उसकी योजना बनाने वाला खालिद शेख पाकिस्तानी था, जिसे सेना मुख्यालय के पास रावलपिंडी से पकड़ा गया। अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को भी रावलपिंडी के पास एबटाबाद के एक घर में मारा गया।

रावलपिंडी पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय होने के साथ-साथ परमाणु नियंत्रण केंद्र भी है। लादेन और खालिद शेख जैसे कुख्यात आतंकियों के उसी क्षेत्र में पाए जाने के कारण इसकी चिंता होना स्वाभाविक है कि पाकिस्तान के परमाणु बम इस्लामी जिहादियों के हाथों में भी जा सकते हैं। परमाणु अस्त्रों का प्रयोग करने की पहल न करने की भारत की नीति के उलट पाकिस्तान की नीति अस्तित्व का संकट आने पर परमाणु अस्त्रों के प्रयोग की पहल करने की है। इसी कारण वह बार-बार उनके प्रयोग की धमकी देता है।

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पाकिस्तान के परमाणु हथियार से वैश्विक खतरा

पहलगाम हमले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद भारत ने अपनी रणनीति में तेजी से बदलाव किया है। आतंकवाद के खिलाफ सतत संघर्ष के लिए सुरक्षाबल तैनात हैं। शीर्ष नेतृत्व लगातार उन जगहों पर जाकर सेना का मनोबल बढ़ा और पाकिस्तान के झूठे दावों का पर्दाफाश कर रहा है, जिन पर पाकिस्तान ने हमले की बात कही थी। इसी क्रम में रक्षामंत्री श्रीनगर में सेना के जवानों से मिलने गए। वहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया कि पाकिस्तान एक दुष्ट और गैरजिम्मेदार देश है, उसके पास परमाणु हथियार होना खतरे से खाली नहीं हो सकता। वह बार-बार भारत को परमाणु हमले की धमकी देता रहा है।

इसके पहले प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि भारत कभी पाकिस्तान की परमाणु धमकी के आगे झुकने वाला नहीं है। रक्षामंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु आयुध पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी की निगरानी होनी चाहिए। भारत इसकी मांग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाएगा। भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह के व्यापारिक संबंध तोड़, सिंधु जल समझौते को निलंबित और उसके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर उसे काफी कमजोर कर दिया है। अब उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी घेरने की

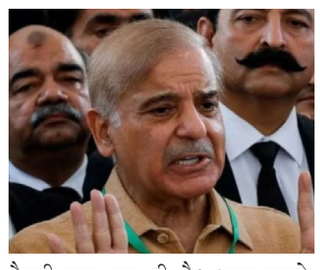

तैयारी शुरू कर दी है। अगर उसके परमाणु हथियारों पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी की निगरानी पर सहमति बनती है, तो पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ जाएगा।

पाकिस्तान के परमाणु आयुध को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसलिए कि वहां आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय मिलता है। वहां के खूंखार दहशतगर्द सेना और खुफिया एजंसी के संरक्षण में रहते रहे हैं। ऐसे में यह खतरा लगातार बना रहता है कि उसके परमाणु हथियार अगर आतंकियों के हाथ लग गए, तो वे विनाश का कारण बन सकते हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के तल्ख रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं, पर दूसरे देशों में भी उसके आतंकियों की गतिविधियां उजागर हैं।

इसलिए यह न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। भारत ने न सिर्फ उसके नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बना कर उन्हें ध्वस्त कर दिया, बल्कि इसके सबूत भी पूरी दुनिया के सामने पेश कर दिए कि वहां का राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व विश्व आतंकवादी की सूची में शामिल संगठनों और आतंकियों के साथ खड़ा है। इतना कुछ हो जाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। कश्मीर के त्राल और केल्लर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकियों का मारा जाना इस बात का सबूत है कि अब भी वह घाटी में दहशतगर्दी को बढ़ावा दे रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में भारत ने अपनी रणनीति बदल कर जमीनी स्तर और विश्व मंच, दोनों जगह पाकिस्तान को घेरने की तैयारी कर ली है। घाटी से दहशतगर्दों के सफाए का निरंतर अभियान उसी का नतीजा है। मगर विचित्र है कि पाकिस्तान के खिलाफ इतने सबूत होने और उसके लगातार आतंकवाद को पोसने के प्रमाण मिलते रहने के बावजूद चीन और तुर्किए जैसे कुछ देश उसका खुला समर्थन कर रहे हैं। इन दोनों देशों के पाकिस्तान से अपने स्वार्थ जुड़े हैं, पर दूसरे देशों से उसकी हकीकत छिपी नहीं है। अगर भारत गंभीरता से उसके परमाणु हथियारों का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता और कूटनीतिक प्रयासों से इस पर वैश्विक सहमति बनाने में कामयाब हो पाता है, तो निस्संदेह इसकी बड़ी कामयाबी होगी।

भूतहा ब्रिज का रहस्य: रात में सुनाई देती हैं चीखें?

जरा हट के

वाराणसी, जिसे काशी और बनारस के नाम से भी जाना जाता है, न केवल अपनी आध्यात्मिकता और गंगा घाटों के लिए मशहूर है, बल्कि कुछ रहस्यमयी कहानियों के लिए भी मशहूर है. इनमें से एक है कैंट इलाके में स्थित एक पुराने ब्रिज की कहानी, जिसे स्थानीय लोग अब "भूतहा ब्रिज" कहने लगे हैं. इस ब्रिज के बारे में ऐसी अफवाहें हैं कि रात के समय यहां से गुजरने वाले लोग अजीब आवाजें सुनते हैं और कुछ को डरावनी छायाएं दिखाई देती हैं. क्या ये सिर्फ दिमाग का वहम है या वाकई इस ब्रिज के पीछे कोई भूतिया सच्चाई छिपी है? आइए, इस रहस्य को खोलने की कोशिश करते हैं.

स्थानीय लोगों के अनुसार, ये ब्रिज, जिसे आधिकारिक तौर पर "कैंट ओवरब्रिज" कहा जाता है, दशकों पुराना है. कहा जाता है कि 1960 के दशक में इस ब्रिज के निर्माण के दौरान कई मजदूरों की जान गई थी.

कुछ का मानना है कि उन मजदूरों की आत्मायें आज भी यहां भटकती हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर इस ब्रिज की कहानियां वायरल हो रही हैं. एक स्थानीय युवक ने दावा किया कि उसने रात में ब्रिज पर एक सफेद साड़ी में लिपटी छाया देखी जो अचानक गायब हो गई. इन कहानियों ने लोगों में इतना डर पैदा कर दिया कि कई लोग रात में इस ब्रिज से बचने के लिए लंबा रास्ता चुनते हैं.

चल रही है जांच

पुलिस ने इन अफवाहों को गंभीरता से लिया है और हाल ही में ब्रिज पर रात में गश्त बढ़ा दी है. कैंट थाने के एक अधिकारी ने बताया, "हमें कई शिकायतें मिलीं कि लोग यहां डर महसूस करते हैं. हमने जांच की लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं मिला है. ये अफवाहें हो सकती हैं लेकिन हम इसे हल्के में नहीं ले रहे." पुलिस ने यह भी कहा कि रात में ब्रिज पर असामाजिक तत्वों की मौजूदगी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, जो डर का कारण हो सकते हैं.

खाना-खजाना

मिर्ची का इंस्टेंट अचार

भारतीय खान-पान में अचार की खास जगह है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसलिए खाने के साथ अचार खाना लोग खूब पसंद करते हैं। अगर आप मसालेदार और तीखे स्वाद के शौकीन हैं, तो इंस्टेंट मिर्ची का अचार आपके लिए परफेक्ट है। यह अचार बनाने में आसान है और कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री :

- 250 ग्राम हरी मिर्च (ताजी और मोटी)
- 2 बड़े चम्मच सरसों का तेल
- 1 बड़ा चम्मच सरसों के दाने
- 1 बड़ा चम्मच मेथी दाना
- 1 बड़ा चम्मच सौंफ
- 1 छोटा चम्मच हींग
- 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस
- 1 छोटा चम्मच अजवाइन
- स्वादानुसार नमक

विधि :

सबसे पहले हरी मिर्च को अच्छी तरह धोकर सुखा लें। जब मिर्च सूख जाए, तो इसके ऊपरी हिस्से (डंठल) को काटकर अलग कर दें। अब मिर्च को लंबाई में काट लें और एक बाउल में रख लें। इसके बाद एक कड़ाही लें और उसमें सरसों का तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें सरसों के दाने, मेथी दाना, अजवाइन और हींग डालकर भूनें। जब मसाले से खुशबू आने लगे, तो इसमें हल्दी पाउडर डालकर हल्का-सा मिलाएं। अब कटी हुई मिर्च को कड़ाही में डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिर्च को 2-3 मिनट तक हल्का सा पकाएं, ध्यान रखें कि मिर्च ज्यादा न पक जाए। गैस बंद करके इसमें नमक और नींबू का रस मिलाएं। मिर्च को ठंडा करके किसी एयरटाइट जार में भरकर रख दें।

7 बेहद कॉमन दवाएं किडनी को कर देती हैं डैमेज

जब किडनी में दिक्कत होती है तो हम बीमार पड़ जाते हैं और मामला ज्यादा गंभीर होने पर मौत तक हो सकती है. किडनी फेल्यर के पीछे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर से लेकर जेनेटिक कंडीशन तक होती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ बेहद कॉमन दवाओं की वजह से भी किडनी डैमेज हो जाती है. आइए आपको ऐसी ही 7 दवाओं के बारे में बताते हैं.

सिरदर्द, मसल्स पेन, आर्थराइटिस और बुखार के लिए एनएसएआईडी काफी कारगर पेनकिलर होती हैं. इनकी मदद से दर्द और सूजन दूर हो जाती है, लेकिन इन दवाओं के लगातार सेवन या हाई डोज से किडनी में ब्लड फ्लो कम हो सकता है. इसकी वजह से किडनी डैमेज या किडनी फेल्यर जैसी दिक्कत हो सकती है.

ज़ोलेड्रोनिक एसिड (रेक्लास्ट) जैसी दवाओं का इस्तेमाल ऑस्टियोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर के इलाज में होता है. ये दवाएं भी किडनी को काफी नुकसान पहुंचा सकती हैं. इस दवा से उन लोगों को ज्यादा दिक्कत होती है, जो पहले से किडनी की बीमारियों से जूझ रहे हैं. यही वजह है कि असामान्य किडनी फंक्शन वाले मरीजों को ये दवाएं देने से डॉक्टर परहेज करते हैं.

कोलनोस्कॉपी से पहले इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ लैक्सेटिव जैसे ओरल सोडियम

फॉस्फेट की वजह से भी किडनी पर असर पड़ सकता है. दरअसल, इसके इस्तेमाल से शरीर में फॉस्फेट क्रिस्टल जमा हो जाते हैं, जो किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं. किडनी की बीमारी से जूझ रहे लोगों को इन लैक्सेटिव का इस्तेमाल काफी सावधानी से करना चाहिए.

लिसिन ोप्रिल, एनालाप्रिल और रामिप्रिल जैसी दवाओं का ताललुक एसीई इनहिबिटर नामक ग्रुप से होता है. ये दवाएं हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करती हैं और दिल को बचाती हैं. हालांकि, ये दवाएं किडनी के रास्ते ही प्रोसेस्ड होती हैं, जिससे किडनी को नुकसान पहुंच सकता है.

कुछ एंटीबायोटिक्स और एंटीवायरल दवाएं भी अलग-अलग तरह से किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं. इस तरह की दवाएं शरीर में क्रिस्टल बनाती हैं, जिससे यूरीन फ्लो ब्लॉक हो जाता है. वहीं, कई दवाएं किडनी सेल्स को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाती हैं.

प्रोटोल पंप इन्हीबिटर्स जैसे ओमेप्राजोल (प्रिलोसेक) और एसोमेप्राजोल (नेक्सियम) का इस्तेमाल हार्टबर्न और एसिड रिफ्लक्स के दौरान होता है. अगर आप इन दवाओं को लगातार यूज करते हैं तो किडनी को काफी नुकसान हो सकता है.

शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फ्लूड को निकालने के लिए ड्यूरेटिक्स इस्तेमाल की जाती हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर और सूजन के मरीजों को दी जाती है. अगर इन दवाओं का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं किया जाता है तो किडनी पर एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ सकता है, जिससे किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है.

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन : सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें।

कन्या : शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक : किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु : राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कुंभ : चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मीन : आज का दिन अच्छा रहेगा। संतान वर्ग चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उठक-बैठक करने के फायदे

हम सभी ने बचपन में उठक-बैठक जरूर किया होगा। स्कूल के दिनों की बात ही कुछ और होती है। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं। हम जब भी कोई गलती करते थे या फिर होमवर्क नहीं कर के लाते थे तो टीचर या तो मुर्गा बनाती थी या फिर उठक-बैठक कराती थी। उस दौरान हमें गुस्सा आता था। हालांकि आज के समय की बात करें तो ये एक सजा नहीं बल्कि असरदार एक्सरसाइज है।

इसे करने से हमारे शरीर को कई फायदे मिलते हैं। दरअसल, आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम कई बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं। मोटापा भी उन्हीं समस्याओं में से एक है। मोटापा बढ़ने से डायबिटीज और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हम ऑफिस में घंटों बैठकर काम करते हैं।

इससे शरीर के कुछ हिस्सों में चर्बी जम जाती है। ये दिखने में भी भद्दी लगती है। ऐसे में Sit Ups करने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको अपने इस लेख में स्कूलों में करने वाले उठक-बैठक के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं विस्तार से-

■ पतली होती हैं जांघें

जब मोटापा बढ़ता है तो जांघों पर सबसे ज्यादा फैट इकट्ठा हो जाता है। इससे जींस पहनने में भी शर्मिंदगी महसूस होती है। जांघों में जमी चर्बी को कम करने के लिए उठक-बैठक करना फायदेमंद हो सकता है। उठक-बैठककरने से जांघों के मसल्स एक्टिव होते हैं। इसके अलावा फैट भी तेजी से गलना शुरू हो जाता है। आप शुरू में 10 बार उठक-बैठक करें। धीरे-धीरे संख्या बढ़ाते रहें।

■ वजन कम करे

अगर आप मोटापे का शिकार हो चुके हैं। सब कुछ कर के देख लिया लेकिन कोई असर नहीं नजर आया तो एक बार उठक-बैठक करके देखिए। इसे करने से आपको 15 दिन में ही जबरदस्त असर देखने को मिलेगा। दिनभर में कम से कम 30 बार उठक बैठक जरूर करें।

■ ब्लड सर्कुलेशन को बनाए बेहतर

अगर आप उठक बैठक करते हैं तो Upper और Lower बॉडी पार्ट्स पर दबाव पड़ता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर तरीके से हो पाता है। इसके अलावा ब्रेन में सेल्स और न्यूरॉन की एक्टिविटीज बढ़ती है। दिनभर में आप कभी भी उठक बैठक कर सकते हैं।

■ बॉडी को करे टोन

इससे न सिर्फ वजन कम होता है बल्कि उठक बैठक करने से हमारी बॉडी भी टोन होती है। इससे शरीर का शेप भी आकर्षक होता है। इसके अलावा पोश्चर भी बेहतर होता है। ध्यान रखें कि उठक बैठक को कान पकड़कर करने से जबरदस्त फायदे मिलते हैं।

मसल्स भी होते हैं स्ट्रॉन्ग

मसल्स को मजबूत बनाने के लिए उठक बैठक एक जबरदस्त तरीका हो सकता है। ये आपके शरीर को सही ढंग से काम करने में मदद करेगी। आप खुद में एनर्जेटिक महसूस करेंगे।

बेल का शर्बत पीने के फायदे और नुकसान

गर्मी आते ही हमें सेहत की फिकरमंद होने लगने लगती है. ऐसे में धूप की तपिश से बचने के लिए लोग तरह-तरह की सॉफ्ट ड्रिंक पीते हैं. बेल का शर्बत भी ऐसी ही चीजों में से एक है. यह शर्बत स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहतरीन माना जाता है. इसको आप बाजार से या घर भी बनाकर पी सकते हैं. इसको पीने से 1,2 या फिर 3 नहीं, बल्कि ढेरों लाभ होते हैं. यही नहीं, बेल का शर्बत पेट को ठंडाई देने के साथ-साथ एनर्जी भी देता है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि बेल का शर्बत कुछ लोगों के लिए नुकसानदायक भी होता है. ऐसे सवाल है कि आखिर बेल के शर्बत के फायदे क्या हैं? बेल का शर्बत किन लोगों को नहीं पीना चाहिए? बेल के शर्बत के साइड इफेक्ट? इस बारे में बता रही हैं अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ की डाइटिशियन **प्रीती पांडे-**

■ बेल के शर्बत में मौजूद पोषक तत्व

गर्मियों में बेल का शर्बत मार्केट में भी मिलता है तो कुछ लोग इसे घर पर बनाकर पीना पसंद करते हैं. बेल में पाए जाने वाले पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें प्रोटीन, विटामिन्स और मिनरल्स के अलावा विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, विटामिन बी कॉम्पलेक्स, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक और आयरन पाया जाता है.

किन लोगों को नहीं पीना चाहिए बेल का शरबत

- **डायबिटीज :** एक्सपर्ट के मुताबिक, बेल का शरबत मीठा होता है. इसलिए इसका ज्यादा सेवन शुगर लेवल को बढ़ा सकता है. इसलिए डायबिटीज मरीजों को इसका सेवन डॉक्टर की सलाह के बाद ही करना चाहिए.
- **पुरानी कब्ज :** वैसे तो बेल के शरबत का सेवन पाचन के लिए तो फायदेमंद माना जाता है, लेकिन जिन लोगों को पहले से पेट से जुड़ी समस्या जैसे अपच, कब्ज तो इसका सेवन इस समस्या को बढ़ा सकता है.
- **थायराइड :** एक्सपर्ट की मानें तो, जो लोग थायराइड की समस्या से जूझ रहे हैं या इसके लिए दवाओं का सेवन कर रहे हैं उनको भी बेल के जूस का सेवन करने से बचना चाहिए.
- **सर्जरी :** जिन लोगों की किसी तरह की सर्जरी हो रखी है या होने वाली है उन लोगों को भी बेल के शरबत का सेवन करने से बचना चाहिए.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

डोली की जगह उठी अर्थी! बारात आने से पहले दुल्हन की संदिग्ध हालत में मौत

कन्नौज. यूपी के कन्नौज से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां शनिवार देर शाम एक युवती की शादी थी। बारातियों की स्वागत की तैयारी चल रही थी। इस बीच वधू की तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजन उसे गांव के ही छोलाछाप डॉक्टर के यहां ले गए। दवा खाने के कुछ ही देर वधू की मौत हो गई। ये घटना गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के किसवापुर गांव का है। यहां के रहने वाले महेश बाथम की बेटी रिंकी की शादी उमर्दा के सुखी गांव के नरेश के बेटे राहुल से तय हुई थी। शनिवार को राहुल बारात लेकर किसवापुर पहुंचने ही वाले थे। इससे पहले रिंकी की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे जसोदा के डॉक्टर के यहां लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसका इलाज करना शुरू किया। कुछ देर चले इलाज के दौरान रिंकी की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर गलत इलाज का आरोप लगाया है।

मरने से पहले मांग में भरा सिंदूर, निभाईं शादी की रस्में; फिर फंदे से लटक गया प्रेमी युगल

सोनभद्र. यूपी के सोनभद्र में एक प्रेमी युगल ने खुद को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घरवालों के शादी से इनकार करने पर इस युगल ने यह खौफनाक कदम उठाया। मरने से पहले दोनों ने शादी की रस्में भी निभाईं। लड़के ने लड़की मांग में सिंदूर भरा। दोनों ने एक-दूसरे को पति-पत्नी माना फिर पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। मौत को गले लगाने वाले लड़के और लड़की दोनों की उम्र 20 साल ही थी। इतनी छोटी सी उम्र में दोनों ने अपनी जिंदगी खत्म कर डाली। घटना सोनभद्र जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के एक गांव की है। शनिवार की सुबह दोनों ने आत्महत्या की।

हथौड़े और पेंचकस से किसान की हत्या, पेट-सीने और चेहरे पर कई वार, सुबह मिला शव

कानपुर. यूपी के कानपुर में सजेती थाना क्षेत्र के कुआंखेड़ा गांव में ट्यूबवेल में सो रहे किसन की हत्या कर दी गई। उसका शव पास ही एक मूंग के खेत में खून से लथपथ पड़ा मिला। किसान के पेट व सीने में पेंचकस से गोदने के घाव हैं जबकि चेहरे पर भी हथौड़े से हमला किया गया है। गांव निवासी 50 वर्षीय धर्मेन्द्र सचान अविवाहित थे वह अपने तीन भाईयों में सबसे छोटे हैं। उनके बड़े भाई ज्ञानेंद्र का कैंसर से निधन हो गया था। जानकारी के अनुसार गांव में ज्ञानेन्द्र की पत्नी अकेली रहती हैं जबकि ज्ञानेंद्र का बेटा अनुभव गुवाहटी में बीआरओ में तैनात है, जबकि बहू दिल्ली में नौकरी करती है। बताया गया कि धर्मेन्द्र का अपनी भाभी ममता से विवाद रहता है जिससे वह कई सालों से ट्यूबवेल में ही रहते थे। शनिवार को गेहूं कतराने के बाद वह ट्यूबवेल चल गए थे। रविवार सुबह एक किसान ट्यूबवेल पहुंचा तो ज्ञानेन्द्र नहीं मिले, खोजने पर पास ही एक मूंग के खेत में उनका शव पड़ा था।

पाकिस्तान की पोल खोलेगा 59 सदस्यों का डेलिगेशन

इनमें 51 सांसद-नेता, 8 राजदूत, 33 देश जाएंगे

थरूर को अमेरिका जाने वाले ग्रुप की कमान

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने शनिवार देर रात 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। NDA के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं।

ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा।

डेलिगेशन कब रवाना होगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, डेलिगेशन के 23 या 24 मई को भारत से रवाना होने की बात कही जा रही है। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया है। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य हैं। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल हैं।

सभी डेलिगेशन में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि को रखा गया है। चाहे वह राजनेता हो गया राजदूत हो। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अमेरिका सहित 5 देश जाने वाले डेलिगेशन की कमान सौंपी गई है।

ग्रुप 1 की कमान भाजपा सांसद बैजयंत पांडा, ग्रुप 2 की जिम्मेदारी भाजपा के रविशंकर प्रसाद, ग्रुप 3 JDU के संजय कुमार झा, ग्रुप 4 शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, ग्रुप 5 शशि थरूर, ग्रुप 6 डीएमके सांसद कनिमोझी और ग्रुप 7 की जिम्मेदारी NCP-SCP सांसद सुप्रिया सुले के हाथ है।

केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने X पोस्ट में लिखा- एक मिशन, एक संदेश, एक भारत। 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रमुख देशों से मिलेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो

सेना बोली- पाकिस्तान की जिन चौकियों से गोली चली, हमने उन्हें मिट्टी में मिला दिया

नई दिल्ली. पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने रविवार को एक नया वीडियो जारी किया। जिसमें बताया गया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन हुआ था, उन्हें जवाबी कार्रवाई में मिट्टी में मिला दिया गया।

वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच आज DGMO स्तर की बातचीत नहीं होगी। सेना ने बताया कि 12 मई को दोनों देशों की बातचीत में जो सीजफायर पर सहमति बनी थी, उसकी कोई आखिरी तारीख तय नहीं की गई है। यह समझौता आगे भी जारी रहेगा।

इधर, DGMO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने राहुल गांधी के विदेश मंत्री पर लगाए आरोपों पर कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हम आतंक के अड्डों पर हमला करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से इनकार कर दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी।

विदेश मंत्रालय ने भी राहुल के आरोपों पर सफाई दी और कहा- विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने ऑपरेशन शुरू होने के बाद की बात की थी, न कि पहले की।

नेपाल के रास्ते बिहार में घुसने की फिराक में आतंकी

भारत-पाक तनाव के बीच खुफिया विभाग की ओर से आतंकी घुसपैठ का अलर्ट जारी किया गया है। नेपाल के रास्ते बिहार में आतंकी घुसपैठ की कोशिश में हैं। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, बांग्लादेश और पाकिस्तान से जुड़े 10 से ज्यादा आतंकी किशनगंज के ठाकुरगंज के रास्ते बिहार में घुसने की फिराक में हैं। यह संदिग्ध आतंकी ग्रुप बांग्लादेश के जमात-उल-मुजाहिदीन, हरकत-उल जिहाद अल-इस्लामी और बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं।

चारमीनार के पास बिल्डिंग में आग, 17 की मौत

- **इनमें 8 बच्चे भी; 10 लोग घायल**
- **शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका**

हैदराबाद. हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया।

फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची थी। जिन्हें आग बुझाने के लिए 2 घंटे मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। फायर फायर डिपार्टमेंट मुताबिक, सुबह 6:16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोश हालत में मिले और करीब 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इमारत 3 मंजिला थी, ग्राउंड फ्लोर में आग लगी। मरने वाले सभी लोग इसी मंजिल पर रहते थे।

PM मोदी ने हादसे पर दुख जताया

घटना पर PM मोदी ने गहरा दुख जताया है। PMO ने X पर लिखा – 'हैदराबाद की आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उन्हें संवेदनाएं। घायलों को जल्द ठीक होने की कामना।'

पीएम राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

इसरो के 101वें सैटेलाइट का लॉन्च विफल

तीसरे स्टेज में गड़बड़ी आई, ISRO चीफ बोले- हम जांच कर रहे

श्रीहरिकोटा. ISRO ने रविवार सुबह 5.59 मिनट बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल (PSLV-C61) के जरिए अपना 101वां सैटेलाइट EOS-09 (अर्थ ऑब्जर्वेटरी सैटेलाइट) लॉन्च किया, लेकिन ये लॉन्चिंग सफल नहीं हो सकी।

पहले और दूसरे फेज में सफल होने के बाद तीसरे फेज में EOS-09 में गड़बड़ी का पता चला। ISRO चीफ वी नारायणन ने कहा- आज 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, PSLV-C61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। तीसरे चरण में ऑब्जरवेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका है।

यह PSLV की 63वीं उड़ान थी, जबकि PSLV-XL कॉन्फिगरेशन का इस्तेमाल करते हुए 27वीं उड़ान थी। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक मनीष पुरोहित ने बताया था कि EOS-09 पहले के RISAT-1 का फॉलो ऑन मिशन है। इसरो ने X पोस्ट में लॉन्चिंग के बारे में लिखा- EOS-09 की ऊंचाई 44.5 मीटर है। वजन 321 टन है। यह 4 फेज में बनाया गया है। मिशन में EOS-09 सैटेलाइट को सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट (SSPO) में स्थापित करना था। EOS-09 रिमोट सेंसिंग डेटा देने के लिए डिजाइन किया गया है। EOS-09 को खासतौर पर घुसपैठ या संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सेना पर कमेंट करने वाला प्रोफेसर गिरफ्तार

हरियाणा में सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कमेंट करने वाले प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोनीपत पुलिस ने दिल्ली के ग्रेटर कैलाश से गिरफ्तार कर लिया है। अशोका यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाले इस प्रोफेसर ने कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इस पर जठेड़ी गांव के सरपंच ने राई पुलिस को शिकायत दी थी। वहीं हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने प्रोफेसर को समन जारी करते हुए 14 मई 2025 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था।

पाक जासूस की आरोपी यूट्यूबर ज्योति अपने ही वीडियो से फंसी

- **भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर से संबंध थे**

नई दिल्ली. हरियाणा से जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की भारत से निकाले गए पाकिस्तानी अफसर दानिश से नजदीकी थी। उसके यूट्यूब चैनल 'ट्रैवल विद जो' पर अपलोड किए गए वीडियो से ही इस बात का पता चला। इसके बाद पूछताछ में ज्योति ने इस बात की पुष्टि की।

ज्योति पिछले साल 23 मार्च को पाकिस्तान के नेशनल डे पर वहां की एंबेसी में इफ्तार पार्टी में शामिल हुई थी। उसने अपने चैनल पर इसका वीडियो डाला था। एंबेसी में पाकिस्तानी दूतावास के एक अफसर दानिश ने बहुत फ्रेंडली तरीके से उसका वेलकम किया। वीडियो में दोनों आपस में इस तरह से बात करते दिखे जैसे एक-दूसरे को बहुत करीब से जानते हों। इसी दानिश को ऑपरेशन सिंदूर के बाद अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया था। भारत सरकार ने उसे 13 मई को देश से निकाल दिया था।

पार्टी में दानिश ने उसे अपनी पत्नी से मिलवाया। इसके अलावा वहां मौजूद अधिकारियों से भी उसकी बात कराई। इस इफ्तार में ज्योति कुछ चीनी अधिकारियों से भी मिली। वह पूरे वीडियो में पाकिस्तानी एंबेसी में किए इंतजामों की जमकर तारीफ करती रहीं। उसने दानिश की पत्नी को अपने घर यानी हरियाणा के हिसार में आने के लिए इनवाइट भी किया।

पाक और चीन की यात्रा से शक के घेरे में आई ज्योति

- ट्रैवल ब्लॉगर ज्योति मल्होत्रा सुरक्षा एजेंसियों की नजर में तब आई जब वह पिछले साल 2024 में 2 महीने के भीतर पाकिस्तान और फिर चीन गई थी।
- ज्योति मल्होत्रा 17 अप्रैल 2024 को एक महीने के टूर पर पाकिस्तान गई थी। 15 मई तक वह पाकिस्तान में ही रही। इसके बाद भारत लौटी।
- पाकिस्तान से लौटने के 25 दिन बाद ही 10 जून को वह चीन चली गई। 9 जुलाई तक चीन में रही और फिर वहीं से 10 जुलाई को नेपाल में काठमांडू पहुंच गई।
- इससे पहले वह करतारपुर कॉरिडोर से पाकिस्तान गई तो वहां पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री और पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज शरीफ से मिली और उनका इंटरव्यू तक किया।

'मैं पाकिस्तान का दुल्हा भाई बन गया हूं'

- **असदुद्दीन ओवैसी बोले- उसके दिमाग में भूसा भरा है**

नई दिल्ली. कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी लगातार पाकिस्तान को लताड़ रहे हैं। उन्होंने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का भी खुलकर समर्थन किया। वहीं पाकिस्तान के समर्थकों की तरफ से उनपर हो रहे अटैक को लेकर जब सवाल किया गया तो ओवैसी ने कहा, हम पाकिस्तान के दुल्हे भाई हो गए हैं आजकल। अब कोई नहीं रहा वहां पर। हम ही रह गए हैं। इतना बेबाक और हैंडसम कोई रह ही नहीं गया। अब हम ही रह गए हैं। देखते रहो प्यारे मेरे को। थोड़ा सुनते रहो, इससे ज्ञान बढ़ेगा। तुम्हारे दिमाग में जो भूसा भरा हुआ है वह साफ हो जाएगा।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, भारतीय सेना को धन्यवाद कहता हूं कि उन्होंने पहलगाम के हमले के बाद आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया गया। उन्होंने विदेश जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर कहा, यह हमारे लिए अच्छी बात है कि हमारे मुल्क में जो आतंकवादी वाकयात हो रहे हैं, उनके बारे में सभी देशों को बताना पड़ेगा। भारत का स्टैंड हमेशा आतंकवाद के खिलाफ रहा है। खास तौर पर पड़ोसी मुल्क बार-बार हमारे देश में दहशतगर्दी को प्रमोट करता है। इसलिए दुनिया के सामने बेनकाब करना महत्वपूर्ण काम है।

तेंदुलकर-गावस्कर के बाद वानखेड़े में रोहित शर्मा स्टैंड

- **माता-पिता ने उद्घाटन किया**
- **भारतीय कप्तान बोले- सपने में भी नहीं सोचा था**

भारतीय वनडे कप्तान रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम के एक स्टैंड का नाम रखा गया है। यह लेवल-3 स्टैंड है, जो पहले दिवेचा पवेलियन के नाम से जाना जाता था। रोहित के पिता गुरुनाथ शर्मा और माता पूर्णिमा शर्मा ने शुक्रवार को इस स्टैंड का उद्घाटन किया।

इस मौके पर भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित ने कहा- मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। मेरे लिए खेल के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम होना खास एहसास है। रोहित के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नेशनल कांग्रेस पार्टी प्रमुख (NCP) शरद पवार भी मौजूद थे।

महान खिलाड़ियों के बीच नाम होना मेरे लिए खास

स्टैंड के उद्घाटन पर रोहित शर्मा ने कहा, यह जो हो रहा है, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। बचपन में मैं मुंबई और भारत के लिए खेलना चाहता था। मेरे लिए खेल के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम होना, इस फीलिंग को मैं बता नहीं सकता। यह इसलिए भी खास है क्योंकि मैं अभी भी खेल रहा हूं। मैंने दो फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लिया है, लेकिन मैं अभी भी एक फॉर्मेट खेल रहा हूं।

रोहित ने आगे कहा- 'IPL में दिल्ली के खिलाफ 21 तारीख को जब मैं यहां खेलूंगा तो यह एक खास एहसास होगा। जब भी ऐसा मैं भारत के लिए भविष्य में यहां खेलने उतरूंगा तो यह और भी खास हो जाएगा। मैं इतने सारे लोगों, खासकर मेरे परिवार, मेरी मां और पिताजी, मेरे भाई, उनकी पत्नी और मेरी पत्नी, जो यहां मौजूद हैं, के सामने यह बड़ा सम्मान पाकर आभारी हूं। मैं अपनी खास टीम, मुंबई इंडियंस का भी शुक्रिया अदा करता हूं।'

भारत में खालिस्तानी समर्थकों को उकसा रहा ISI

- **पंजाब-हरियाणा में आतंकी नेटवर्क दोबारा एक्टिव कर रही;**
- **पुलिस-सेना, सरकारी दफ्तर टारगेट पर**

नई दिल्ली. पाकिस्तान से भारत का तनाव भले ही कम हो गया हो, लेकिन भारत में अशांति फैलाने के एजेंडे पर पाक की खुफिया एजेंसी ISI अभी भी काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, ISI ने युद्धविराम की घोषणा के बाद खालिस्तान समर्थकों को उकसाना शुरू कर दिया है, जिससे कि भारत में कोई बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके।

ISI कनाडा में खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू और दूसरे खालिस्तानी आतंकियों की मदद ले रहा है।

इनके जरिए पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों में खालिस्तानी आतंकियों के नेटवर्क को फिर से एक्टिव करने का काम शुरू कर दिया है।

खालिस्तानी आतंकियों की साजिश भारत में पुलिस थानों, सेना व सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की है। साजिश को अंजाम देने के लिए बीते कुछ दिनों में एक नया पैटर्न देखने को मिला है।

फरार खालिस्तानी आतंकी अब फिर से भारत आने लगे हैं, ताकि यहां किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दिया जा सके। खुफिया एजेंसियों ने इसको लेकर देश की सभी सुरक्षा जांच एजेंसियों को आगाह किया है।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला

- **रूस ने एक साथ दागे 273 ड्रोन; हर ओर तबाही**

रूस ने यूक्रेन पर अपनी अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन बमबारी की है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि यह हमला युद्ध की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला है। हमले के बाद यूक्रेनी शहरों में तबाही के मंजर सामने आए हैं। हमले में कीव क्षेत्र में कम से कम एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इस हमले में रूस ने 273 ड्रोन दागे।

यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने अधिकतर हमले कीव के केंद्रीय क्षेत्र और देश के पूर्वी हिस्सों डिनप्रोपेत्रोव्स्क व डोनेस्क क्षेत्रों को निशाना बनाया। इससे पहले फरवरी 2025 में रूस ने 267 ड्रोन हमले किए थे, जो तब का रिकॉर्ड था।

तुर्की में शांति वार्ता विफल

हाल ही में इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन के बीच तीन साल बाद हुई शांति वार्ता विफल रही। दोनों पक्षों ने केवल कैदियों के आदान-प्रदान का समझौता किया, लेकिन युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बन पाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत करने का ऐलान किया है।

रविवार की तड़के चली लगातार हमलों में कीव क्षेत्र के ओबुखिव जिले में 28 वर्षीय एक महिला की मौत हुई जबकि एक 4 साल का बच्चा समेत कम से कम तीन लोग घायल हुए।

आम सूचना

मैं श्री सुभाष सांडू अम्भोरे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 182 चौ.फुट, भैयासाहेब आंबेडकर नगर, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ016194000) उक्त प्रॉपर्टी श्री अविनाश उत्तम वाघ के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.1.2024 सी.नं. 90/2024 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुभाष सांडू अम्भोरे

आम सूचना

मैं श्रीमती नीरज अमृत चौधरी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 285 चौ.फुट, हनुमान नगर, एमआयडीसी, वाटर टैंक के पास, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ020355600) उक्त प्रॉपर्टी श्री जयप्रकाश जीता यादव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 6.11.2024 सी.नं. 2276 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती नीरज अमृत चौधरी

आम सूचना

मैं श्रीमती संजू अशोक गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, पंजाबी कॉलोनी, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 27बीओ007363500) उक्त प्रॉपर्टी एदया राजाराम सेनसगुनथार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.5.2023 सी.नं. 559 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती संजू अशोक गुप्ता

आम सूचना

मैं श्रीमती अश्विनी अंकुश कदम सभी को सूचित कर रही हूं कि गाला नं. 7, 350 चौ.फुट, 1ला माला, भारत विजय कॉम्प्लेक्स/एस्टेट, डालडा डेपो के पास, पीछे अशोक प्रेस, प्रेस बाजार के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 27बीआय007622300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती दिव्या नारायण खेमचंदानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.5.2025 सी.नं. 2905/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अश्विनी अंकुश कदम

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनीता अमरेंद्र शर्मा सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 100 चौ.फुट, सामने बैरक नं. 735, शास्त्री नगर, हॉस्पिटल एरिया, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 25बीओ008368600) उक्त प्रॉपर्टी श्री अजीत रुपलाल शर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.4.2025 सी.नं. 821 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनीता अमरेंद्र शर्मा

संक्षेप...

12 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में दो गिरफ्तार

नवी मुंबई. नवी मुंबई में 15 वर्षीय किशोर का अपहरण करने और 12 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी 14 मई की रात को घणसोली स्थित किशोर के घर पहुंचे और पीड़ित के पिता से चार लाख रुपये के लेन-देन को लेकर बहस की। कोपरखैरणे पुलिस थाना क्षेत्र के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने कथित रूप से किशोर की पिटाई की और वे उसे कार में जबरन बैठाकर ले गए। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने किशोर को छोड़ने के बदले 12 लाख रुपये की मांग की।

महाराष्ट्र की सियासत में होगा उलटफेर?

- डिप्टी सीएम अजीत पवार ने खुलकर की चाचा शरद की तारीफ

'ज्योतिबा फुले से शुरू हुई यात्रा हमें यहां तक लाई'

अजित पवार ने यह भी कहा कि लड़कियां आज 'लड़कों से प्रभावित हुए बिना' हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं. पहले के समय में लड़कियों को शिक्षा के अवसर नहीं मिलते थे. हालांकि, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला, जिससे उन्हें शिक्षा सुलभ हुई. तब से शुरू हुई यात्रा हमें आज इस मुकाम पर ले आई है.''

पुणे. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने हाल ही में कुछ ऐसा किया, जिसकी चर्चा राजनीतिक गलियारों में तेज हो गई है. अजित पवार ने महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने के लिए अपने चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार की तारीफ की. इस विधेयक के तहत स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था.

एनसीपी प्रमुख और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''उस समय साहेब (शरद पवार) मुख्यमंत्री थे और विधायक के तौर पर वह मेरा पहला कार्यकाल था. उन्होंने कहा था कि विधेयक पारित होने तक सदन को स्थगित नहीं किया जाना चाहिए. हमने बहस के बाद सुबह 3.30 बजे विधेयक पारित किया था.''

'महिलाओं का सम्मान करने वाले देश बढ़ते हैं आगे'

अजित पवार ने कहा, ''अगर एक महिला अपने घर और बच्चों को मैनेज कर सकती है तो वह एक गांव या नगर परिषद को भी संभाल सकती है. ऐसा उनका (अपने आप पर) विश्वास है. इसीलिए इस तरह का रिजर्वेशन लाया गया क्योंकि जो देश महिलाओं का सम्मान करते हैं, वे प्रगति करते हैं.''

भिड़ेवाड़ा में बनेगा ज्योतिबा फुले का स्मारक

अजित पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने भिड़े वाडा को अपने नियंत्रण में ले लिया है, जहां यह स्कूल शुरू किया गया था और इस महान दंपति के सम्मान में एक विशाल स्मारक बनाने का काम जारी है.

साल 2023 में अलग हुए थे चाचा-भतीजे

अजित पवार ने अपने चाचा की तारीफ ऐसे समय में की, जब शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले गुटों के संभावित विलय की अटकलें जारी हैं. शरद पवार द्वारा स्थापित एनसीपी जुलाई 2023 में विभाजित हो गई थी, जब अजित पवार अलग होकर बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए थे. हालांकि, बाद में उन्हें मूल पार्टी का नाम और उसका चिह्न मिल गया था. वहीं शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के रूप में जाना जाने लगा. दोनों गुटों ने विलय की बात को अटकलबाजी बताया जा रहा है.

जिला परिषद ठाणे के अंतर्गत स्थानांतरण प्रक्रिया पूर्ण

ठाणे. जिला परिषद ठाणे के अंतर्गत श्रेणी-सी और श्रेणी-डी के कर्मचारियों के अंतर-जिला प्रशासनिक, अनुरोध और पारस्परिक स्थानांतरण की प्रक्रिया में कर्मचारी भागीदारी के साथ-साथ पारदर्शी निर्णय लेने की प्रक्रिया पर जोर दिया गया।

परामर्श के माध्यम से 15 मई को बी. जे. हाई स्कूल में सफलतापूर्वक हुआ।मुख्य कार्यकारी अधिकारी छायादेवी शिसोदे के मार्गदर्शन और उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे की उपस्थिति में बी. जे. हाई स्कूल सभागार में स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी की गई। संपूर्ण स्थानांतरण प्रक्रिया पारदर्शिता के मानदंडों के अनुसार की गई और इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से नागरिकों और कर्मचारियों के लिए खुला रखा गया।स्थानांतरण प्रक्रिया को सात चरणों में विभाजित किया गया। प्रशासनिक प्राथमिकता, सेवा की अवधि, तथा जनजातीय एवं गैर-जनजातीय क्षेत्रों में निवास की वरिष्ठता के आधार पर काउंसलिंग की गई। इसके बाद, अनुरोध और पारस्परिक स्थानांतरण भी परामर्श के माध्यम से पूरे किए गए।

मिथुन चक्रवर्ती को BMC ने भेजा नोटिस

- गैरकानूनी तरीके से निर्माण करने के आरोप
- हो सकती है कार्रवाई
- एक्टर बोले- हम जवाब भेज रहे हैं

मुंबई. एक्टर और पॉलिटिशियन मिथुन चक्रवर्ती को हाल ही में BMC (बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन) की तरफ से लीगल नोटिस जारी किया गया है। आरोप हैं कि मिथुन चक्रवर्ती ने मलाड स्थित प्लॉट पर अवैध निर्माण करवाया है। नोटिस में ये भी साफ किया गया है कि अगर प्रॉपर्टी मालिक की तरफ से संतुष्ट करने वाला जवाब नहीं मिलता है तो अवैध निर्माण को गिराया जाएगा और कानूनी कार्रवाई होगी। हालांकि मिथुन ने इन खबरों को बेबुनियाद बताया है।

10 मई को नगर निगम ने 101 प्रॉपर्टी की सूची बनाई है, जो अवैध हैं। इनमें मलाड स्थित एरंगल गांव के हीरा देवी मंदिर के पास स्थित वो प्लॉट भी शामिल है, जिसके मालिक मिथुन चक्रवर्ती हैं। BMC का आरोप है कि उस जगह बिना अनुमति के ग्राउंड प्लस मेजनाइन फ्लोर वाले 2 स्ट्रक्चर, एक ग्राउंड फ्लोर का ढांचा और 10 बाय 10 की 3 अस्थायी यूनिट बनाई गई हैं। इन यूनिट्स में ईंट, लकड़ी की पट्टियां, कांच की दीवारें और एसी शीट्स की छतें भी इस्तेमाल की गई हैं, जो गैरकानूनी है।

BMC द्वारा जारी किए गए लीगल नोटिस के अनुसार, अगर प्रॉपर्टी मालिक की तरफ से संतोषजनक जवाब नहीं मिलता तो उनके खिलाफ धारा 475A के तहत कानूनी कार्रवाई होगी और साथ ही अवैध निर्माण को तोड़ा जाएगा।

ससुर की हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी में अपने ससुर की हत्या करने के आरोप में 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भिवंडी के मीठपाड़ा इलाके में हुई हत्या के आरोपी रूपेश वाघे को शनिवार को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ निरीक्षक विलास कदम ने बताया कि वाघे का अपने ससुर बुवा कोंडे (40) के साथ शराब पीने की लत सहित घरेलू मुद्दों को लेकर अक्सर झगड़ा होता था और शनिवार को झगड़े के दौरान उसने कोंडे के सिर पर एक बड़ा पत्थर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

मानसून आने से पहले खतरनाक होर्डिंग हटाने और नालों की सफाई

- एजेंसियों को निर्देश

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. उपमुख्यमंत्री और ठाणे जिले के संरक्षक मंत्री एकनाथ शिंदे ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे जन सुरक्षा को प्राथमिकता दें और मानसून आने से पहले खतरनाक होर्डिंग हटाने और नालों की सफाई समेत सभी तैयारियां पूरी कर लें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि आम आदमी का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्य निर्देशों में नालों की सफाई, संरचनात्मक ऑडिट और खतरनाक होर्डिंग हटाना, गड्ढों की तेजी से मरम्मत और खुले मैनहोल को सुरक्षित करना शामिल है। शिंदे ने प्रभावी जल निकासी के लिए रेलवे और नगर निगमों के बीच समन्वय का आह्वान किया और व्यापक वृक्ष छंटाई अनिवार्य करने को कहा।

श्री दुर्गा माता मंदिर के प्रांगण में भव्य सुंदर कांड का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से संचालित भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। सुंदर कांड व भजन गायक रवि पाण्डेय, नागेंद्र शर्मा, कोरस देने वाले संजय तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह, बजरंगी, मनोज मिश्रा, राकेश पाण्डेय, जगदीश तिवारी, श्रवण तिवारी ने पचरा के माध्यम से श्री दुर्गा माता मंदिर प्रांगण में आए हुए सभी भक्तों को सुंदरकांड व भजन कीर्तन सुनाकर भाव विभोर कर दिया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा, ऊषा यादव, सुमित्रा विट्टी वर्मा, उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता, मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय, घनश्याम यादव, सुशील पंडा, आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय, दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी, बजरंगी, रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने आए हुए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

सांसद नरेश म्हस्के को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार से किया गया सम्मानित

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. अपने ओजस्वी भाषणों से संसद और देश का ध्यान आकर्षित करने वाले ठाणे लोकसभा सांसद नरेश म्हस्के को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। नरेश मस्के को सांसद के रूप में अपने पहले कार्यकाल में इस पुरस्कार की घोषणा से ठाणेकरों के सिर पर सम्मान का ताज सजा है।इस पुरस्कार की घोषणा आज नई दिल्ली में संसद रत्न पुरस्कार के संस्थापक प्राइम पॉइंट श्रीनिवासन और संसद रत्न पुरस्कार समिति की अध्यक्ष प्रियदर्शिनी राहुल द्वारा की गई। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की सलाह पर प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन और ई-पत्रिका प्रेजेंस द्वारा 2010 में संसद रत्न पुरस्कार की स्थापना की गई थी। मई 2010 में चेन्नई में आयोजित प्रथम पुरस्कार समारोह का उद्घाटन भी डॉ. कलाम ने ही किया था। उल्लेखनीय है कि हंसराज गंगाराम अहीर इस पुरस्कार के प्रथम प्राप्तकर्ता थे।यह पुरस्कार नागरिक समाज की ओर से प्रदान किये जाते हैं।यह पुरस्कार जुलाई 2025 के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 15 वें संसद रत्न पुरस्कार समारोह में प्रदान किए जाएंगे।महाराष्ट्र के सांसद नरेश गणपत म्हस्के (शिवसेना), स्मिता उदय वाघ (भाजपा), एड. गायकवाड़ वर्षा एकनाथ (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), प्रोफेसर मेधा विश्राम कुलकर्णी (भाजपा) और अरविंद गणपत सावंत (शिवसेना उबाथा) को संसद रत्न पुरस्कार प्राप्तकर्ता घोषित किया गया है।

देह व्यापार से नाबालिग सहित 4 युवतियां मुक्त

- महिला दलाल गिरफ्तार

भिवंडी. ठाणे पुलिस आयुक्त क्षेत्र में भिवंडी में भिवंडी कल्याण रोड पर राजनोली ग्राम में ठाणे पुलिस की अवैध मानव तस्करी प्रतिबंध शाखा ने पारो बार के समीप राधा कृष्ण रेस्टोरेंट से बलात अगवा कर लाई गई चार पीड़ित युवतियों को देह व्यापार से मुक्त कराकर महिला दलाल को देह व्यापार कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने अन्य दो फरार आरोपियों पर भी मामला दर्ज किया है। ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय के पीआरओ किशोर खरात ने बताया कि ठाणे पुलिस की अवैध मानव तस्करी प्रतिबन्धक शाखा के सहायक आयुक्त धनजी क्षीरसागर को जानकारी मिली थी कि भिवंडी कल्याण रोड पर राजनोली ग्राम में पारो बार के निकट राधा कृष्ण रेस्टोरेंट में देहव्यापार धड़ल्ले से चल रहा है।

ताजा घटनाक्रम में वहां चार युवतियां इस अनैतिक देह व्यवसाय के लिए अपहरण कर बलात लाई गई है। इसके बाद 16 मई को ठाणे पुलिस की अवैध मानव तस्करी प्रतिबन्धक शाखा की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी ने छापा मारकर राधा कृष्ण रेस्टोरेंट से बलात अपहरण कर लाई गई चार युवतियों को देह व्यापार से मुक्त कराकर महिला दलाल को भी गिरफ्तार किया है।

इसके साथ ही पुलिस ने उन दो फरार आरोपियों पर भी मामला दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है जो इन पीड़ित महिलाओं को देह व्यापार कराने के लिए यहां लेकर आए थे।इन चार युवतियों में एक लड़की नाबालिग है।लगभग साढ़े सोलह वर्षीय नाबालिग लड़की को उल्हासनगर के बाल सुधार गृह में भेजा गया है।

कविता के माध्यम से प्रज्वलित हुई भीमविचारों की मशाल

SST महाविद्यालय और स्मार्ट फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'कवितेतला भीमराव' गीत-कविता संध्या के माध्यम से सामाजिक जागरूकता

उल्हासनगर. छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की संयुक्त जयंती के उपलक्ष्य में स्मार्ट फाउंडेशन और एस.एस.टी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'कवितेतला भीमराव' इस अनोखे गीत-कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। सामाजिक चेतना को जागृत करने वाला यह कार्यक्रम एस.एस.टी. महाविद्यालय के सभागृह में श्रोताओं की उत्साही उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ कवि अरुण म्हात्रे और महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी के हाथों हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैद्यकीय सामाजिक कार्यकर्ता और स्मार्ट फाउंडेशन की अध्यक्षा वसुंधरा मोरे-केदारे ने की। सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ. विनायक पवार और 'कायद्याने वागा' जनआंदोलन के प्रणेता राज असरोंडकर ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर अंबरनाथ नगर परिषद की पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा वाळेकर, जिजाऊ सावित्री रमाई प्रतिष्ठान के कार्याध्यक्ष मनोज शेलार, नाना पवार (म.प्र. प्रदेश सचिव, रिपाई आठवले गुट), साहित्य सम्राट अण्णाभाऊ साठे आधार प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रकाश जाधव, पूर्व कार्यकारी अभियंता दिलीप बागुल और उपप्राचार्य प्रा. डॉ. दीपक गवादे सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ विधिवेत्ता दिलीप वाळंज को 'ब्लू सन्स' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गायक आई. एम. मोरे, भारत अंबवणे, शायरा ऐश्वर्या पवार द्वारा प्रस्तुत गीत 'साऊ', वैशाली पगारे का 'भीमराज की बेटी' और सचिन सरदार द्वारा सामाजिक आंदोलनों पर आधारित भावस्पर्शी गीतों की प्रस्तुति की गई। वहीं राज असरोंडकर की अनोखी 'भीमवंदना' ने श्रोताओं का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुवर्णा अहिरे, प्रा. प्रफुल केदारे और प्रा. वृषाली विनायक ने उत्कृष्ट रूप से किया। उनकी भावनाप्रधान प्रस्तुति शैली के कारण पूरा कार्यक्रम प्रवाहपूर्ण बना रहा।

काव्यवाचन सत्र में कवि जितेंद्र लाड, मंगेश सरदार, डॉ. नरसिंग इंगले, श्रीकांत बागुल, किरण भिलारे, सोनाली जाधव और प्रा. डॉ. दीपक गवादे ने सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली कविताएं प्रस्तुत कीं। इन कविताओं के माध्यम से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार, समता का मूलमंत्र और नवभारत की दिशा स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आई।

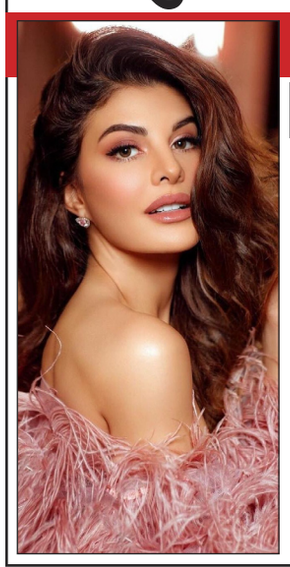

'कवितेतला भीमराव' यह कविसम्मेलन सिर्फ साहित्यप्रेमियों को दिया गया एक अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उठाया गया एक प्रभावशाली कदम सिद्ध हुआ। कविताओं के माध्यम से विचारों की मशाल जलाने वाला यह उपक्रम श्रोताओं के मन में लंबे समय तक प्रज्वलित रहेगा, ऐसा भाव वरिष्ठ कवि अरुण म्हात्रे ने व्यक्त किया। वहीं उद्घाटक और एस.एस.टी. महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने कहा कि 'कवितेतला भीमराव' कविसम्मेलन एक वैचारिक और सांस्कृतिक परिवर्तन की शुरुआत है।

ठग सुकेश मामले पर बोलीं जैकलीन फर्नांडिस

'हमारी वजह से पेरेंट्स को भी झेलना पड़ता है'

जैकलीन फर्नांडिज 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने अपनी दिवंगत मां और ठग सुकेश को लेकर उनकी जिंदगी में होने वाली उथल-पुथल पर भी बात की। जैकलीन ने कहा कि इस सबके चलते उन्हें पब्लिक स्क्रूटनी का भी सामना करना पड़ा।

जैकलीन ने सुकेश के मामले में सीधे तौर पर तो नहीं लेकिन मुश्किल घड़ी में पेरेंट्स से मिलने वाले सपोर्ट पर बात की। द हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए उन्होंने कहा- 'इंडस्ट्री में हम एक्टर के तौर पर जिस दौर से गुजरते हैं, हमारे पेरेंट्स को भी उससे गुजरना पड़ता है। एक्टर होने के नाते आपसे जुड़ी हर चीज पब्लिक के बीच है। माता-पिता के लिए हर वक्त आपका साथ देना मुश्किल होता है। मेरी मां को हमेशा मुझे पर गर्व था और वो हमेशा चाहती थीं कि मैं कोशिश करती रहूं। सपने देखती रहूं।'

बता दें कि जैकलीन उस समय विवादों में घिर गई, जब ठग सुकेश के साथ उनकी कुछ रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर बीते कई सालों से जेल में बंद है। जांच में सामने आया कि एक समय में जैकलीन, सुकेश के साथ रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। इसके चलते एक्ट्रेस भी जांच के दायरे में आ गई थीं।

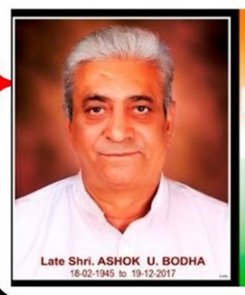

जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताते हुए जैकलीन से रिश्ता रखा था। उस समय वह उन्हें कई महंगे तोहफे भी देता था। वहीं, जैकलीन ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि वे नहीं जानती थीं कि सुकेश एक ठग है। जैकलीन के इनकार के बाद भी सुकेश अक्सर खास मौकों पर जेल से उनके लिए चिट्ठी लिखता है और उन्हें कोई ना कोई तोहफा देने का दावा करता है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099